एम.एच.डी.-5

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.एच.डी.)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2008
एम.एच.डी.-5 : साहित्य सिद्धान्त और समालोचना

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं । प्रत्येक खण्ड से दो-दो प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है । शेष एक प्रश्न का उत्तर किसी भी खण्ड से दिया जा सकता है । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

खण्ड 1

1. 'काव्य के लक्षण' से क्या तात्पर्य है ? संस्कृत के आचार्यों द्वारा बताए गए काव्य-लक्षणों का उल्लेख कीजिए । 20
2. ध्वनि-सिद्धांत का विवेचन कीजिए । 20
3. रस को परिभाषित करते हुए रस-निष्पत्ति के प्रमुख सिद्धांतों की विवेचना कीजिए । 20
4. हिन्दी की मार्क्सवादी आलोचना का परिचय देते हुए डॉ. रामविलास शर्मा के योगदान पर प्रकाश डालिए । 20
5. आचार्य रामचंद्र शुक्ल द्वारा प्रतिपादित साधारणीकरण की व्याख्या कीजिए । 20

खण्ड 2

6. स्वच्छंदतावाद का अर्थ स्पष्ट करते हुए विलियम वर्ड्सवर्थ की काव्य-संबंधी मान्यताओं के बारे में अपने विचार प्रस्तुत कीजिए । *20*

7. मैथ्यू आर्नल्ड की आलोचना-दृष्टि का विश्लेषण और मूल्यांकन कीजिए । *20*

8. आई.ए. रिचर्ड्स की साहित्य-संबंधी प्रमुख अवधारणाओं का उल्लेख करते हुए उनका महत्त्व बताइए । *20*

9. आदर्शवाद और यथार्थवाद की अवधारणाओं का उल्लेख करते हुए उनका तुलनात्मक विवेचन कीजिए । *20*

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *10×2=20*

(क) प्रतीकवाद

(ख) समाजशास्त्रीय समीक्षा-पद्धति

(ग) आधुनिकता और उत्तर आधुनिकता

(घ) काव्य-प्रयोजन

(ङ) शुक्लोत्तर हिन्दी आलोचना

(च) विरेचन-सिद्धांत